संज्ञा

संज्ञा – वह शब्द जिससे प्राणी, वस्तु , स्थान व भाव के नाम का बोध होता है, उसे हम संज्ञा कहते हैं। संज्ञा को दो भागो में बाटा गया है।

1- धर्म के आधार पर (एक) 2- वस्तु के आधार पर (चार)

1-धर्म – भाववाचक संज्ञा

2- वस्तु – को चार भागो में बाटा गया है

1-व्यक्ति वाचक संज्ञा – जिस नाम से व्यक्ति, वस्तु , स्थान को पहचान लिया जाता है उसे हम व्यक्ति वाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण- राम, मोहन, सीता, गीता, रामायण, हिमालय, दिल्ली, कानपुर इत्यादि।

2-जातिवाचक संज्ञा – जहाँ पर व्यक्ति, वस्तु, स्थान को एक जाति समूह में रखा जाता है जिसे हम जाति वाचक संज्ञा कहते हैं। इसकी पहचान नहीं होती।

उदाहरण – पर्वत, पेड़, आदमी, औरत, पुस्तक, शहर, इत्यादि।

राम पुस्तक पढता है। (व्यक्ति वाचक संज्ञा – राम – कर्ता)

3 -समूहवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा से व्यक्ति या वस्तु के पूरे समूह का बोध होता है उसे हम समूह वाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण - सभा, भीड़, कुंज, कक्षा, मंत्रिमंडल इत्यादि।

4-द्रव्यवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा से नाप तोल का बोध होता है उसे हम द्रव्य वाचक संज्ञा कहते हैं। दूध, कोयला, डीजल, पेट्रोल, इत्यादि।

Video/Live Classes Mock Test Series Discussion Forum

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"

भाववाचक संज्ञा – जिससे भाव प्रकट होता है उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

उदाहरण -सच्चाई, दया, क्रोध, दर्द इत्यादि।

Visit on:- https://youtu.be/m4BuBxFehCI

संज्ञा के भाग

OBLYPREPS

Sharing Is Caring
If you found it useful, don't forget to share your friends.

"भीड़ हमेशा आसान रास्ते पर चलती है, जरुरी नहीं वो सही है। अपने रास्ते खुद चुनिए, आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता।"